

## रैट-होल माइनगि

### प्रलिस के लयः

[रैट-होल माइनगि, सलक्यारा-बडकोट सुरंग, नेशनल गरीन टरबियुनल \(NGT\)](#)

### मेन्स के लयः

रैट-होल माइनगि, पर्यावरण प्रदूषण और गरिवट, भारतीय हमिलयी क्षेत्र से संबधति चुनौतियाँ।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

## चर्या में क्योँ?

हाल ही में [उत्तराखंड की सलक्यारी सुरंग](#) के अंदर फँसे 41 शर्मकीो को नकालने के लयि [रैट-होल माइनगि](#) वधिका उपयोग कयि गया है।

## रैट-होल माइनगि/खनन क्या है?

### परचियः

- रैट होल माइनगि मेघालय में प्रचलति संकीरण, कषैतजि सीम से कोयला नषिकरण की एक वधि है।
- शब्द "रैट होल (चूहे का बलि)" जमीन में खोदे गए संकीरण गड्डों को संदर्भति करता है जो आमतौर पर एक व्यक्ती के सुरंग में उतरने और कोयला नषिकरण हेतु पर्याप्त होता है।
- एक बार गड्डे खोदने के बाद, खनन कर्मचारी कोयले की परतों तक पहुँचने के लयि रस्सियों या बाँस की सीढ़ियों का उपयोग करते हैं। फरि कोयले को गैती, फावड़े और टोकरियों जैसे आदमि उपकरणों का उपयोग करके मेन्युअल/परंपरागत रूप से नषिकरति जाता है।

### प्रकारः

- **साइड-कटगि प्रकरयि:** साइड-कटगि प्रकरयि में पहाड़ी ढलानों पर संकीरण सुरंगें खोदी जाती हैं तथा शर्मकि कोयले की परत मलिने तक गहराई तक जाते हैं।
  - मेघालय की पहाड़ियों में कोयले की परत प्रायः दो मीटर से भी पतली होती है।
- **बॉक्स-कटगि:** बॉक्स-कटगि में एक आयताकार रास्ता बनाया जाता है, जो 10 से 100 वर्गमीटर तक होता है एवं उसके माध्यम से 100 से 400 फीट गहरा एक अधोलंब गड्डा खोदा जाता है।
  - एक बार कोयले की परत मलि जाने के बाद, चूहे के बलि के आकार की सुरंगें कषैतजि रूप से खोदी जाती हैं, जिनके माध्यम से शर्मकि कोयला नकाल सकते हैं।

### चतियाँ:

- रैट होल खनन से गंभीर सुरक्षा एवं पर्यावरणीय खतरे उत्पन्न होते हैं। खदानें आम तौर पर अनयिमति होती हैं, जनिमें उचति वेंटलेशन, संरचनात्मक सहायता अथवा शर्मकीो के लयि सुरक्षा गथिर जैसे सुरक्षा उपायों का अभाव होता है।
- यह प्रकरयि न केवल खनकीो के लयि खतरनाक है अपत्ति पर्यावरण के लयि भी हानिकारक है। रैट-होल खनन को कर्मारस्थितिकि मुद्दों से जोड़ा गया है, जैसे नदियों का अमलीकरण, भूमिकषरण, वनों का वनिाश एवं जल प्रदूषण।
  - इन खदानों से नकिलने वाला अम्लीय अपवाह, जसि एसडि माइन डरेनेज (AMD) के रूप में जाना जाता है, वशिष रूप से हानिकारक है, यह जल की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और प्रभावति जल नकियाँ में जैवविधिता को हानि पहुँचा रहा है।
- अधिकारियों द्वारा ऐसी प्रथाओं को वनियमति या प्रतबिधति करने के प्रयासों के बावजूद, वे अक्सर आर्थिक कारकों और स्थानीय आबादी के लयि व्यवहार्य वैकल्पिकि आजीविका की अनुपस्थितिकि कारण बनी रहती हैं।

## रैट-होल खनन पर प्रतबिध क्योँ लगाया गया?

- [नेशनल गरीन टरबियुनल \(NGT\)](#) ने वर्ष 2014 में अवैज्जानकि होने के कारण रैट-होल खनन पर प्रतबिध लगा दयि था, लेकनि यह प्रथा बड़े पैमाने पर जारी है।

- पूर्वोत्तर राज्य में कई दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप रैट-होल खनकों की मौतें हुई हैं।
- वर्ष 2018 में अवैध खनन में शामिल 15 लोग बाढ़ वाली खदान के अंदर फँस गए थे। दो महीने से अधिक समय तक चलेबाचाव अभियान के बाद केवल दो शव ही बरामद किये गये थे।
- ऐसी ही एक और दुर्घटना 2021 में हुई जब पाँच खनजि श्रमिक बाढ़ वाली खदान में फँस गए। बाचाव दल द्वारा एक महीने के बाद अभियान बंद करने से पूर्व तीन शव पाए गए थे। इसमें इस पद्धति से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को भी शामिल किया गया।
- हालाँकि खनन राज्य सरकार के लिये राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। मणिपुर सरकार ने एनजीटी के प्रतिबंध को यह तर्क देते हुए चुनौती दी है कि इस क्षेत्र के लिये खनन का कोई अन्य व्यवहार्य विकल्प नहीं है।
  - 2022 में मेघालय उच्च न्यायालय द्वारा नयुक्त एक पैनल ने पाया कि मेघालय में रैट-होल खनन नरिबाध रूप से जारी है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष का प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. "प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभाव के बावजूद, विकास के लिये कोयला खनन अभी भी अपरहार्य है"। वविचना कीजिये। (2017)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rat-hole-mining>

